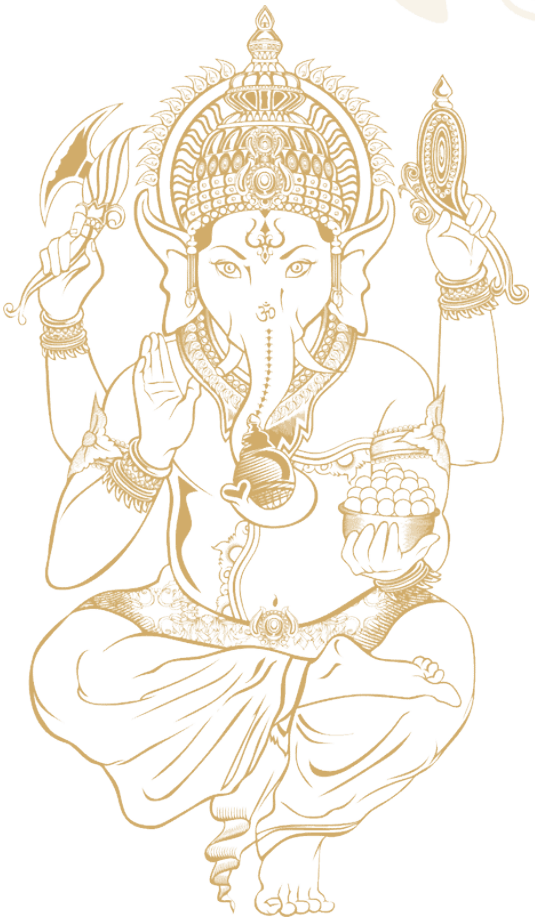

Mr. Amit Kumar Upadhyay

07 Jan 1978

09:35 PM

Arrah

Model: web-freekundliweb

Order No: 121839304

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**07/01/1978**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**21:35:11 घंटे**
इष्ट	37:20:18 घटी
स्थान	**Arrah**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	25:34:00 उत्तर
रेखांश	84:40:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:08:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	21:43:51 घंटे
वेलान्तर	-00:06:08 घंटे
साम्पातिक काल	04:51:19 घंटे
सूर्योदय	06:39:03 घंटे
सूर्यास्त	17:16:01 घंटे
दिनमान	10:36:58 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	23:27:40 धनु
लग्न के अंश	20:58:54 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**मूल - 1**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	वृद्धि
करण	विष्टि
गण	राक्षस
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	ये-येरुसलम
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	20:58:54	323:52:38	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	गुरु	---
सूर्य			धनु	23:27:40	01:01:10	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	शनि	मित्र राशि
चंद्र			धनु	02:06:41	15:13:58	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	सम राशि
मंगल	व		कर्क	13:30:41	00:20:03	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	राहु	नीच राशि
बुध			धनु	00:29:20	00:46:19	मूल	1	19	गुरु	केतु	केतु	सम राशि
गुरु	व		मिथु	05:27:52	00:07:23	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	सूर्य	शत्रु राशि
शुक्र		अ	धनु	19:58:22	01:15:30	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	सम राशि
शनि	व		सिंह	06:19:42	00:02:52	मघा	2	10	सूर्य	केतु	राहु	शत्रु राशि
राहु	व		कन्या	16:22:30	00:10:46	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	शनि	मूलत्रिकोण
केतु	व		मीन	16:22:30	00:10:46	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	गुरु	मूलत्रिकोण
हर्ष			तुला	22:01:30	00:02:15	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	शनि	---
नेप			वृश्चि	23:25:17	00:02:01	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	मंगल	---
प्लूटो			कन्या	23:06:23	00:00:24	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	सूर्य	---
दशम भाव			वृष	20:37:18	--	रोहिणी	--	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:33:04

लग्न-चलित

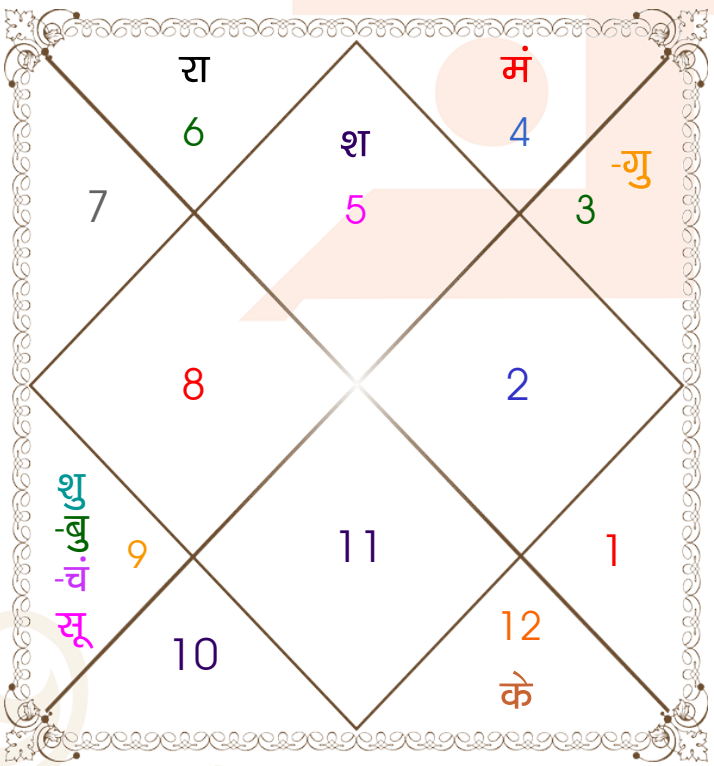

चन्द्र कुंडली

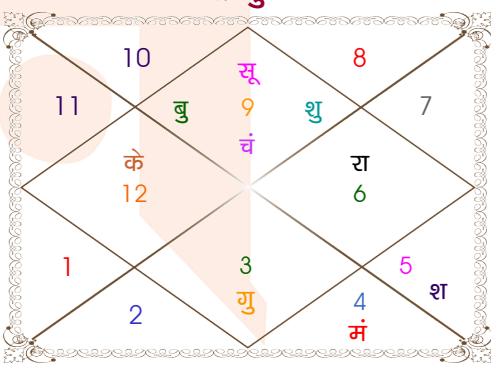

नवमांश कुंडली

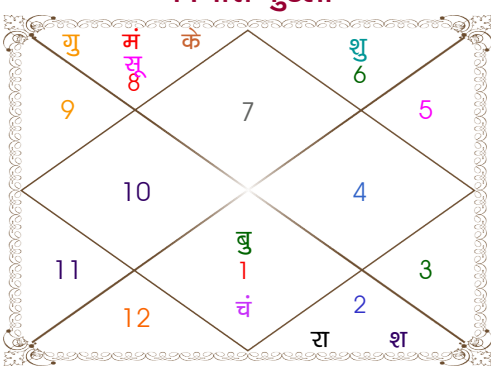

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 5 वर्ष 10 मास 21 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
07/01/1978		29/11/1983		29/11/2003		29/11/2009		29/11/2019	
29/11/1983		29/11/2003		29/11/2009		29/11/2019		29/11/2026	
	07/01/1978	शुक्र	31/03/1987	सूर्य	18/03/2004	चंद्र	29/09/2010	मंगल	26/04/2020
शुक्र	27/06/1978	सूर्य	30/03/1988	चंद्र	17/09/2004	मंगल	30/04/2011	राहु	15/05/2021
सूर्य	02/11/1978	चंद्र	29/11/1989	मंगल	22/01/2005	राहु	29/10/2012	गुरु	21/04/2022
चंद्र	03/06/1979	मंगल	29/01/1991	राहु	17/12/2005	गुरु	28/02/2014	शनि	31/05/2023
मंगल	30/10/1979	राहु	29/01/1994	गुरु	05/10/2006	शनि	29/09/2015	बुध	27/05/2024
राहु	16/11/1980	गुरु	29/09/1996	शनि	17/09/2007	बुध	28/02/2017	केतु	23/10/2024
गुरु	23/10/1981	शनि	29/11/1999	बुध	24/07/2008	केतु	29/09/2017	शुक्र	23/12/2025
शनि	02/12/1982	बुध	29/09/2002	केतु	29/11/2008	शुक्र	31/05/2019	सूर्य	30/04/2026
बुध	29/11/1983	केतु	29/11/2003	शुक्र	29/11/2009	सूर्य	29/11/2019	चंद्र	29/11/2026

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
29/11/2026		29/11/2044		29/11/2060		29/11/2079		29/11/2096	
29/11/2044		29/11/2060		29/11/2079		29/11/2096		00/00/0000	
राहु	11/08/2029	गुरु	17/01/2047	शनि	02/12/2063	बुध	27/04/2082	केतु	27/04/2097
गुरु	05/01/2032	शनि	30/07/2049	बुध	11/08/2066	केतु	24/04/2083	शुक्र	07/01/2098
शनि	11/11/2034	बुध	05/11/2051	केतु	20/09/2067	शुक्र	22/02/2086		00/00/0000
बुध	30/05/2037	केतु	11/10/2052	शुक्र	20/11/2070	सूर्य	29/12/2086		00/00/0000
केतु	18/06/2038	शुक्र	12/06/2055	सूर्य	02/11/2071	चंद्र	30/05/2088		00/00/0000
शुक्र	17/06/2041	सूर्य	30/03/2056	चंद्र	02/06/2073	मंगल	27/05/2089		00/00/0000
सूर्य	12/05/2042	चंद्र	30/07/2057	मंगल	12/07/2074	राहु	15/12/2091		00/00/0000
चंद्र	11/11/2043	मंगल	06/07/2058	राहु	18/05/2077	गुरु	21/03/2094		00/00/0000
मंगल	29/11/2044	राहु	29/11/2060	गुरु	29/11/2079	शनि	29/11/2096		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 5 वर्ष 10 मा 20 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के तृतीय चरण में सिंह लग्नोदय काल हुआ था। साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर आपके जन्मकाल तुला का नवमांश एवं मेष का द्रेष्काण भी उदित था। सिंह राशीय संबंधित संयोजन से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप पूर्ण शक्ति संपन्न पद पर आसीन होकर, सुव्यवस्थित ढंग से अत्यधिक धन का उपार्जन करेंगे।

आप अत्यंत धैर्यवान एवं मनोयोग पूर्वक किसी बात को श्रवण करने वाले हो। आप अपने अधिकारी को अच्छी प्रकार अनुकूल अनुभव करते हो। वे आप पर पूर्ण विश्वास पूर्वक कार्य भार सौंप देंगे तथा आप योजनानुरूप आदेश का पालन करेंगे। आपका अधिकारी भी आपकी ही तरह का धैर्यवान है जो आपको बहुत बड़ा लाभांश आपके कार्य अनुरूप प्रदान करेगा तथा आपके उदेश्य के अनुसार अपने लक्ष्य तक पहुंचने में पूर्ण सहयोग हेतु अनुकूल प्रमाणित होंगे।

एक बार आप अपने कार्यवश कहीं जाएंगे तो पूर्ण सकारात्मक रूप से कार्य सम्पादन करेंगे तथा किसी भी प्रकार की परेशानी उपस्थित होने पर भी आप संभवतः अल्पकाल में संभावित कार्य को पूर्ण कर लेंगे। आप किसी भी परिस्थिति में मन्दगति से नहीं चलेंगे। आपको एक स्थान से अन्य भीड़-भाड़ पूर्ण स्थान पर जाने आने में आपका शरीर व्यस्त रहता है। आप एक ही समय कई कार्यकलाप का संचालन करते हैं। इस प्रकार आपकी मनोवृत्ति के अनुकूल एवं उपयुक्त सरकारी सेवा कार्य के अंतर्गत प्रशासनिक स्तर के एवं बड़ी कम्पनी या निगम के उच्च पदाधिकारी, शैक्षणिक कार्य, चित्रकारिता, रेडियों, गायन एवं खेलकूद संबंधी कार्य व्यवसाय प्रतीत होता है।

आप अपनी समझदार पत्नी एवं चुस्त दुरूस्त प्यारी संतान से युक्त आपका परिवारिक जीवन उत्तम एवं भली प्रकार व्यतीत होगा तथा पत्नी एवं संतान आपको बहुत ही स्नेह प्रदान करेंगे। परन्तु आप अपनी जीवन संगिनी की मनोवृत्ति को अनुरूप नहीं सह सकेंगे। क्योंकि आपकी ये आकर्षक आंखें किसी अन्य स्त्री को पसन्द कर उसके साथ प्रेम प्रसंग प्रारंभ करा सकता है। आपको इन शंकाओं के संबंध में स्पष्टीकरण करके अपनी पत्नी को आश्वस्त करना चाहिए ताकि आपका पारिवारिक वातावरण आनन्द प्रदायक हो।

आपके लिए उत्तम धनोपार्जन का समय मुख्यतः 28 वर्ष की आयु से सतत चार वर्षों तक उत्तम रहेगा। जो आपके जीवन का सुन्दर समय प्रमाणित होगा। लेकिन आपकी समस्या यह है कि आप अतिरिक्त व्यय के प्रति समर्पित रहते हैं तथा समाज में प्रतापी एवं प्रभावशाली आयोजनों में सम्मिलित हुआ करेंगे। आपको बहुत पहले से ही उत्तम उन्नति हेतु धन संचय करना चाहिए। यदि आप ऐसा नहीं कर सके तो आपको अपने वृद्धावस्था के लिए धन का अभाव प्रतीत होगा।

आप बहुत अधिक यात्रा करेंगे तथा यात्रा क्रम में आप मित्र मण्डली का विस्तार करेंगे। परिणाम स्वरूप आपको लाभ एवं व्यय समान रूप से प्राप्त होंगे। आपकी सुविधा एवं लाभ हेतु परस्पर आदान-प्रदान करेंगे।

आप दानशील प्रवृति के पुरूष हैं, इस प्रकार की दानशीलता एवं उदारता पूर्ण सहयोग में कोई हिचकिचाहट नहीं रखते तथा कमजोर वर्ग के लोगों की उन्नति हेतु सहायक होंगे। जिसकी वजह से आपको सामाजिक स्तर में प्रसिद्धि प्राप्त होने के अवसर प्राप्त होंगे।

आपके लिए महत्वपूर्ण चेतावनी यह है कि आप अपने दैनिकचर्या की समय सारणी को उपयुक्त नहीं कर सके तो आयु वृद्धि के कारण आप वृद्धावस्था में प्रभावित हो सकते हैं। आप कार्यानुरूप अपने समय का बंटवारा कर लें अर्थात् कार्यानुरूप समय निर्धारित कर लें। ताकि आपको और आपके पारिवारिक सदस्यों को विश्राम प्राप्त हो सके। वर्त्तमान काल आप पूर्ण सामर्थ्य एवं अति सतर्क है। सम्प्रति आप की नसें तेज हैं। अस्तु अनिवार्य रूप विश्राम करने की आदतों में वृद्धि करें। आपको हृदय के रोग, रीढ़ की अथवा ज्वाइंट की हड्डियों के रोग एवं रक्तचाप आदि रोग से सुरक्षित रहने के लिए विश्राम करने की आदते डालना अनिवार्य है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक संभावित एवं अनुकूल प्रतीत होता है। अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके हित त्याज्य है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।